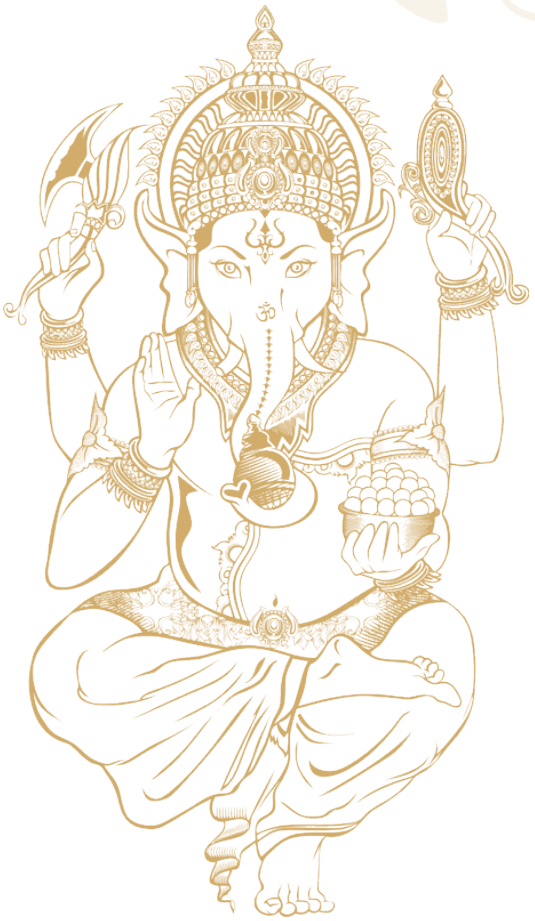

Mr.nidhi

03 Aug 2004

10:00 AM

Khatauli

Model: web-freekundliweb

Order No: 120167907

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**03/08/2004**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**10:00:00 घंटे**
इष्ट	10:48:07 घटी
स्थान	**Khatauli**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:16:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:40:48 घंटे
वेलान्तर	-00:06:10 घंटे
साम्पातिक काल	06:29:11 घंटे
सूर्योदय	05:40:45 घंटे
सूर्यास्त	19:09:26 घंटे
दिनमान	13:28:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	17:15:29 कर्क
लग्न के अंश	12:28:35 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	अतिगण्ड
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	से-सेविका
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	12:28:35	316:12:37	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			कर्क	17:15:29	00:57:25	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	20:18:14	14:02:42	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	सिंह	01:30:04	00:37:55	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध			सिंह	12:55:58	00:32:19	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
गुरु			सिंह	25:03:32	00:11:26	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	02:28:29	00:49:10	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	मित्र राशि
शनि			मिथु	26:10:31	00:07:27	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	मित्र राशि
राहु	व		मेष	12:06:47	00:07:44	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	12:06:47	00:07:44	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	11:50:15	00:02:06	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
नेप	व		मक	20:09:19	00:01:38	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	25:49:15	00:00:50	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			मिथु	12:46:49	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:08

लग्न-चलित

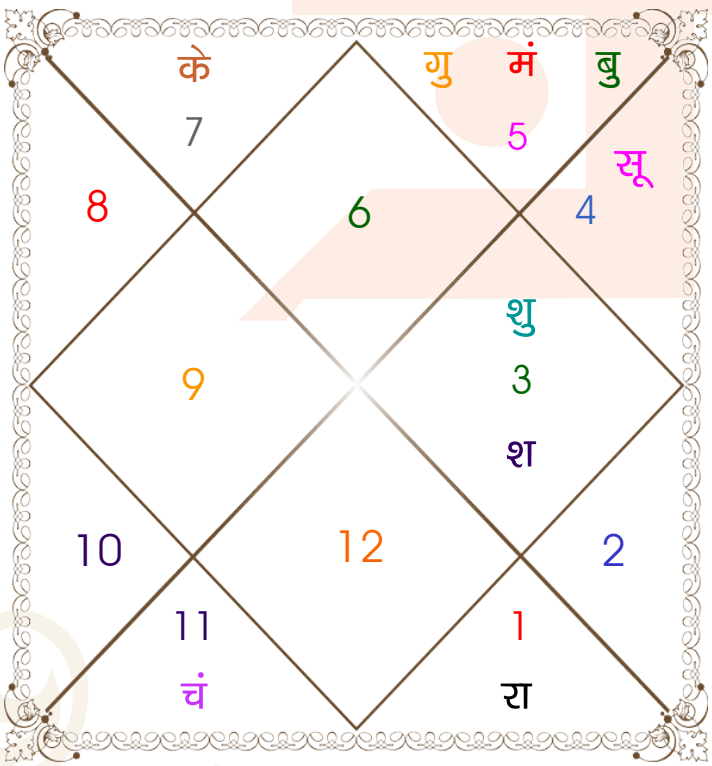

चन्द्र कुंडली

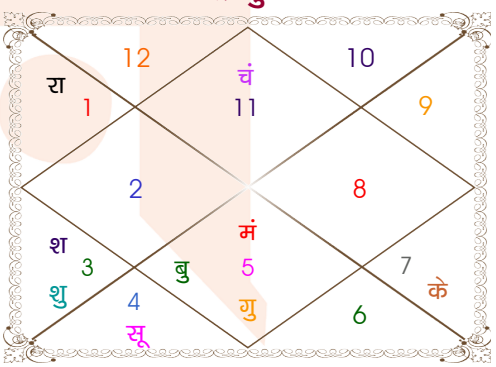

नवमांश कुंडली

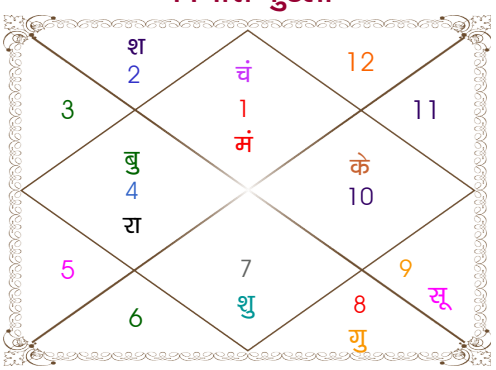

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 15 वर्ष 7 मास 18 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
03/08/2004		23/03/2020		23/03/2039		23/03/2056		23/03/2063	
23/03/2020		23/03/2039		23/03/2056		23/03/2063		23/03/2083	
गुरु	11/05/2006	शनि	27/03/2023	बुध	19/08/2041	केतु	19/08/2056	शुक्र	23/07/2066
शनि	21/11/2008	बुध	04/12/2025	केतु	16/08/2042	शुक्र	19/10/2057	सूर्य	23/07/2067
बुध	27/02/2011	केतु	12/01/2027	शुक्र	16/06/2045	सूर्य	24/02/2058	चंद्र	23/03/2069
केतु	03/02/2012	शुक्र	14/03/2030	सूर्य	23/04/2046	चंद्र	25/09/2058	मंगल	23/05/2070
शुक्र	04/10/2014	सूर्य	24/02/2031	चंद्र	22/09/2047	मंगल	21/02/2059	राहु	23/05/2073
सूर्य	23/07/2015	चंद्र	24/09/2032	मंगल	18/09/2048	राहु	11/03/2060	गुरु	22/01/2076
चंद्र	21/11/2016	मंगल	03/11/2033	राहु	08/04/2051	गुरु	14/02/2061	शनि	23/03/2079
मंगल	28/10/2017	राहु	09/09/2036	गुरु	14/07/2053	शनि	26/03/2062	बुध	21/01/2082
राहु	23/03/2020	गुरु	23/03/2039	शनि	23/03/2056	बुध	23/03/2063	केतु	23/03/2083

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
23/03/2083		23/03/2089		23/03/2099		24/03/2106		24/03/2124	
23/03/2089		23/03/2099		24/03/2106		24/03/2124		00/00/0000	
सूर्य	11/07/2083	चंद्र	21/01/2090	मंगल	20/08/2099	राहु	04/12/2108	गुरु	04/08/2124
चंद्र	10/01/2084	मंगल	22/08/2090	राहु	07/09/2100	गुरु	30/04/2111		00/00/0000
मंगल	17/05/2084	राहु	21/02/2092	गुरु	14/08/2101	शनि	06/03/2114		00/00/0000
राहु	10/04/2085	गुरु	22/06/2093	शनि	23/09/2102	बुध	22/09/2116		00/00/0000
गुरु	27/01/2086	शनि	22/01/2095	बुध	20/09/2103	केतु	11/10/2117		00/00/0000
शनि	09/01/2087	बुध	22/06/2096	केतु	16/02/2104	शुक्र	11/10/2120		00/00/0000
बुध	16/11/2087	केतु	21/01/2097	शुक्र	17/04/2105	सूर्य	04/09/2121		00/00/0000
केतु	23/03/2088	शुक्र	22/09/2098	सूर्य	23/08/2105	चंद्र	06/03/2123		00/00/0000
शुक्र	23/03/2089	सूर्य	23/03/2099	चंद्र	24/03/2106	मंगल	24/03/2124		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 15 वर्ष 7 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कर धर्म मार्ग में प्रवीण हो गई हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगी।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति की हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगी। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली महिला हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगी। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगीं। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगी।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगी। परन्तु जब आप एक वार अपने जीवन साथी का चयन कर लेंगी तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगी। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगी। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगी। आपके पति आपके साथ एक पति की अनिवार्य भूमिका अदा करेंगे तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेंगे। आप अपने पति के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगी। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगी। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगे।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन को अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहती हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहती हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहती हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति की ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकती हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करती जाएंगी। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रुग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम रोग से आक्रान्त तो नहीं होगीं। परन्तु

आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपको संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।